भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या :1413
गुरुवार, 13 फरवरी, 2025 (24 माघ, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

हवाई किराए में वृद्धि

1413. श्री यूसुफ पठान:
सुश्री सयानी घोष:
श्री वाई.एस. अविनाश रेड्डी:
एडवोकेट प्रिया सरोजः
डॉ. एम. के. विष्णु प्रसादः
थिरु दयानिधि मारन:
श्री उमेषभाई बाबूभाई पटेल:
श्री नवसकनी के.:
एडवोकेट अदूर प्रकाश:
श्री एन. के. प्रेमचन्द्रन:
श्री राजीव राय:
श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल:
श्री चरनजीत सिंह चन्नी:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या सरकार को सम्पूर्ण देश में त्योहारों के समय और व्यस्ततम यात्रा काल के दौरान हवाई किराए में हाल ही में हुई वृद्धि की जानकारी है, जिसमें कुंभ, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश का हालिया उदाहरण भी शामिल है, जिसके कारण जनसाधारण हेतु हवाई यात्रा करना महंगा हो गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) सरकार द्वारा विशेषकर टियर-2 और टियर-3 शहरों को जोड़ने वाले मार्गों के लिए ऐसी मूल्य वृद्धि को विनियमित और नियंत्रित करने हेतु क्या विशिष्ट उपाय किए जा रहे हैं;
(ग) क्या नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने उक्त अवधि के दौरान हवाई किराए को युक्तिसंगत बनाने के लिए कोई दिशानिर्देश जारी किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार यात्रियों के लिए बहनीयता सुनिश्चित करने के लिए आपात स्थितियों, प्राकृतिक आपदाओं और चिकित्सा आपातकाल के दौरान हवाई किराए की सीमा तय करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ङ) क्या सरकार का किराया वृद्धि पर निगरानी बढ़ाने और उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण (एईआरए) अधिनियम में संशोधन करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं;
(च) क्या सरकार का किसी गंतव्य विशेष हेतु अधिकतम टिकट मूल्य निर्धारित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(छ) व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण के अंतर्गत विमान कंपनियों को कम किराए की भरपाई के लिए वर्ष और विमान कंपनीवार कितनी राशि का भुगतान किया गया है; और
(ज) सरकार द्वारा हवाई किराए के मूल्य-निर्धारण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और विमान कंपनियों हेतु किराया घटकों का स्पष्ट विवरण देना अनिवार्य बनाने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (घ) और (च) और (ज): एयरलाइनों के साथ नियमित परामर्श किया जाता है और एयरलाइनों को हवाई किराए निर्धारित करते समय संयम/स्व-नियमन करने और यात्रियों के हितों को ध्यान में रखने के लिए संवेदनशील बनाया जाता है। जैसे-जैसे त्योहार के व्यस्ततम दिन नजदीक आते हैं, विशेषरूप से आगामी महाकुंभ और अन्य महत्वपूर्ण शाही स्नानों के दौरान, एयरलाइनों ने हवाई किराए पर दबाव कम करने के लिए क्षमता बढ़ाने के लिए और कदम उठाए हैं।

सरकारी हस्तक्षेप के बाद महाकुंभ 2025 के लिए प्रयागराज के हवाई किराए में गिरावट देखी गई।

एयरलाइनों ने यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है कि प्राकृतिक आपदाओं, विपदाओं, महामारी, महाकुंभ आदि जैसी घटनाओं के दौरान हवाई किराए में उछाल न आए।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एक टैरिफ मॉनिटरिंग यूनिट (टीएमयू) की स्थापना की है जो मासिक आधार पर एयरलाइनों की वेबसाइटों का उपयोग करके यादृच्छिक आधार पर चुनिंदा घरेलू क्षेत्रों पर हवाई किराए की निगरानी करती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एयरलाइनें उनके द्वारा घोषित सीमा से बाहर हवाई किराए न वसूलें।

वायुयान नियमावली, 1937 के नियम 135 (2) के अनुसार एयरलाइनों को अपनी-अपनी वेबसाइट पर निर्धारित टैरिफ को 'एकल समेकित किराया' के साथ प्रदर्शित करना होगा और उपभोक्ता के लाभ के लिए इसका पूरा ब्यौरा भी देना होगा।

एयरलाइनों को अपनी वेबसाइट के होम पेज पर टैरिफ शीट को प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करना अनिवार्य है।

हवाई किराए की प्रकृति गतिशील होती है और यह मांग और आपूर्ति के सिद्धांत का अनुसरण करती है। भारत में हवाई किराए की कीमतों के रुझान काफी हद तक मौसम संबंधी कारकों, प्रचलित ईंधन मूल्य, मार्ग पर परिचालन करने वाले विमानों की क्षमता, क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा, मौसम, छुट्टियां, त्यौहार, लंबे सप्ताहांत, कार्यक्रम (खेल, मेले, प्रतियोगिताएं) आदि को दर्शाते हैं। मई और जून के महीनों में यातायात में वृद्धि देखी जाती है, जुलाई के मध्य में अंतरराष्ट्रीय यात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि शुरू होती है, जो घरेलू मांग को भी प्रभावित करती है। जुलाई से सितंबर तक, मानसून के मौसम के कारण सामान्यतः यात्रा गतिविधि में गिरावट आती है। तथापि, अक्टूबर में त्यौहार सीज़न के आगमन, विशेष रूप से दिवाली के उत्सव के दौरान, यात्रा की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। जनवरी के मध्य तक, यात्रा की मांग कम होने लगती है, जो अप्रैल के अंतिम सप्ताह तक जारी रहती है। इस अवधि के पश्चात, गर्मियों की छुट्टियों के साथ ही पर्यटन में नए सिरे से बढ़ोतरी होती है, जिससे मांग में पुनः वृद्धि होती है।

इसके अलावा, हवाई किराए का मूल्य निर्धारण हवाईअड्डों पर प्रचालनिक बाधाओं से काफी प्रभावित होता है। पर्यटकों की भारी मांग वाले मार्ग, स्थान, मौसम की स्थिति और प्रतिबंधित परिचालन घंटों द्वारा लगाई गई सीमितताओं के अध्यधीन होते हैं। सीमित क्षमता और उच्च मांग

के संयोजन से परिचालन सीमाओं और क्षमता प्रतिबंधों के कारण इन मार्गों पर किराए में वृद्धि होती है।

हवाई किराए पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है और एयरलाइनें वायुयान नियमावली, 1937 के नियम 135 का अनुपालन करते हुए अपनी परिचालन आवश्यकताओं के आधार पर हवाई किराए का निर्धारण करने के लिए स्वतंत्र है। तथापि सरकार समान्यतः बाजार में प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए हवाई किराए को विनियमित करने से बचती है, परंतु वह सतर्क रहती है, और यात्रियों की सुविधा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए अत्यधिक मूल्य निर्धारण को रोकने हेतु एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में क्षमता स्थानांतरित करने के लिए हस्तक्षेप करती है।

(ङ) : ए.ई.आर.ए. द्वारा हवाई किराये के विनियमन का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(छ) : पिछले वर्षों के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण के अंतर्गत एयरलाइनों को भुगतान की गई राशि का वर्षवार और एयरलाइनवार विवरण अनुलग्नक में देखा जा सकता है।

				अनुलग्नक	
एयरलाइनों को वितरित वीजीएफ का विवरण (वर्षवार करोड़ में)					
		एयरलाइनों को वितरित वीजीएफ			
क्रम. स.	एयरलाइन	2022-23	2023-24	2024-25	कुल
1	एयर ओडिशा	0		0	0
2	एलाइंस एअर (चयनित एयरलाइन प्रचालकों को वीजीएफ)	177.54	130.05	81.82	389.41
3	एलाइंस एअर (एनईआर के लिए एलाइंस एअर को वीजीएफ और एनईआर में डोर्नियर प्रचालन के लिए एलाइंस एअर को वीजीएफ)	148.81	204.22	121.17	474.2
4	एअर टैक्सी	0	3.75	8.72	12.47
5	बिग चार्टर्स	86.63	64.52	42.2	193.35
6	डेक्कन चार्टर्स	0	0		0
7	घोडावत	75.17	116.76	138.19	330.12
8	जीएसईसी मोनार्क	5.94	16.83	16.32	39.09
9	हेरीटेज	12.78	15.22	13.81	41.81
10	इंडिगो	298.61	296.98	100.82	696.41
11	जेट एयरवेज	0	0		0

12	पवन हंस	25.5	32.52	11.92	69.94
13	स्पाइसजेट	116.17	129.99	19.09	265.25
14	ट्रूजेट	0	0	0	0
15	जूम एयर	0	0	0	0
16	जस्ट उड़ो एविएशन प्रा. लिमिटेड	0	0.4	52.59	52.99
	कुल	947.15	1011.24	606.65	

*****